CC MM YY KK

RNI. No. MAHHIN-2014/55445 Postal Reg.No. NPCity/437/2023-2025 www.kendriyamanavadhikar.com

केन्द्रीय मानवाधिकार दैनिक

सम्माननीय जीवन समान अधिकार

| नागपुर. मंगलवार, 5 अगस्त 2025 | वर्ष - 13 | अंक - 160 | पृष्ठ - 4 | मुल्य - 2 रु.

संपादक : मिलिंद दहिवले

दैनिक केन्द्रीय मानवाधिकार
हिन्दी समाचारपत्र के लिए चाहिए
पत्रकार, क्राइम रिपोर्टर, फोटोग्राफर, काउंसलर, रिसेप्शनिस्ट, मार्केटिंग विभाग इंचार्ज, न्यूज एंकर, वीडियो एडिटर, टेलीकॉलर, इवेन्ट मैनेजर
M/F उमेदवार शीघ्र संपर्क करे
- मुख्य कार्यालय -
प्लॉट नं. 386, चंदन नगर, नागपुर-440 024
संपर्क - 9552011005

## न्यूज गैलरी

# केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार से किया गया सम्मानित

**पुणे** - नितिन गडकरी न केवल एक 'मैन ऑफ विजन' हैं, बल्कि एक 'मैन ऑफ एक्शन' भी हैं। उन्होंने ऐसे अभूतपूर्व कार्य किए हैं जिनसे हज़ारों लोगों का जीवन बदल गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि उन्हें लोकमान्य तिलक राष्ट्रीय पुरस्कार-2025 प्रदान करना एक सक्रिय और संवेदनशील व्यक्तित्व का सम्मान है। यह पुरस्कार केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को मुख्यमंत्री फड़नवीस की उपस्थिति में प्रदान किया गया, जो उस समय बोल रहे थे। कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री अजीत पवार, पूर्व मुख्यमंत्री और ट्रस्टी सुशील कुमार शिंदे, उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत (दादा) पाटिल, राज्य मंत्री माधुरी मिसाल, लोकमान्य तिलक मेमोरियल ट्रस्ट के अध्यक्ष रोहित तिलक, डॉ. गीताली तिलक, डॉ. प्रणति तिलक, विधायक विजय शिवतारे, भीमराव तपकिर, विश्वजीत कदम, बापूसाहेब पठारे, हर्षवर्द्धन पाटिल, प्रकाश जावड़ेकर उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, "लोकमान्य तिलक की स्वाभिमानी भावना को प्रतिबिंबित करने वाले व्यक्तियों को यह पुरस्कार देने की अवधारणा अत्यंत अनूठी है। लोकमान्य की यह भावना नितिन गडकरी में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है। वे समय से आगे की सोचने वाले नेता हैं। उन्होंने असाधारण प्रतिभा, संवेदनशीलता और निरंतर सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरित करने वाली संस्कृति का विकास किया है। वे एक अच्छे शोधकर्ता हैं। कृषि, इंजीनियरिंग, चिकित्सा, उद्योग, वास्तुकला और विज्ञान के क्षेत्र में उनका ज्ञान अपार है। वे नई चीजों की ओर आकर्षित होते हैं। वे यह जानने का प्रयास करते हैं कि ये चीजें आम आदमी तक कैसे पहुँच सकती हैं।"

मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय मंत्री गडकरी का 'कभी हार न मानने वाला रवैया' उनके स्वभाव की विशेषता है, वे किसी भी परिस्थिति का साहस के साथ सामना करते हैं, यही कारण है कि वे बड़े कार्य कर पाते हैं। मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे के सफल निर्माण के बाद ही अटल बिहारी वाजपेयी ने विश्वास के साथ गडकरी को प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की जिम्मेदारी सौंपी थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी उनमें इसी गुण को पहचाना और उन्हें सड़क एवं राजमार्ग विकास का कार्य सौंपा। कभी हम दुनिया का बुनियादी ढांचा देखने कहीं और जाते थे, आज दुनिया हमारे पास आ रही है, यह गडकरी की सफलता है। उनके कार्यों के कारण देश में सड़क निर्माण के कार्य में गुणात्मक परिवर्तन शुरू हुआ है। उन्होंने खुद को केंद्रीय मंत्रिमंडल में सबसे कुशल मंत्री के रूप में स्थापित किया है। देश की सीमाओं पर सड़कों का जाल बिछाने का काम उनके मार्गदर्शन में हो रहा है।

लोकमान्य तिलक को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मुख्यमंत्री फडणवीस ने कहा, 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की हार के बाद देश में निराशा थी। कई लोगों के मन में यह भ्रम पैदा हो गया था कि ब्रिटिश साम्राज्य का सूर्य कभी अस्त नहीं हो सकता। उस समय, लोकमान्य तिलक ने विभिन्न उत्सवों और सामाजिक समारोहों के माध्यम से खंडित समाज को एक बार फिर से एकजुट किया और इसके माध्यम से महान असंतोष पैदा किया, जो बाद में भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में देखा गया। लोकमान्य तिलक एक दूरदर्शी नेता, खगोल विज्ञान के विद्वान, गणितज्ञ थे।

## चंद्रपुर जिला कलेक्टर का 'संपूर्णता' अभियान में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सम्मान

**चंद्रपुर** - 'आकांक्षी जिले और तालुका' कार्यक्रम के तहत 1 जुलाई 2024 से 30 सितंबर 2024 तक कार्यान्वित संपूर्णता अभियान में उनके उल्लेखनीय प्रदर्शन के लिए, जिला कलेक्टर विनय गौड़ा जी. सी. प्रभारी जिला कलेक्टर डॉ. नितिन व्यावरे को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। राज्य स्तरीय सम्मान समारोह भारतीय प्रबंधन संस्थान, नागपुर के सभागार में आयोजित किया गया। जिला कलेक्टर श्री गौड़ा के नेतृत्व में जिले ने संपूर्णता अभियान के छह में से छह संकेतकों को पूरा किया। खास बात यह है कि इनमें से तीन संकेतक स्वास्थ्य विभाग से संबंधित हैं और उन्हें शत-प्रतिशत समृद्ध किया गया। इस अवसर पर राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, मुख्य सचिव राजेश कुमार देवड़ा, अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) विकास खड़गे और अतिरिक्त मुख्य सचिव (योजना) राजकुमार उपस्थित थे। इस अवसर पर, जीवती तालुका की सफल भागीदारी का प्रतिनिधित्व करते हुए, समूह विकास अधिकारी लक्ष्मीनारायण दोडके, तालुका स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. स्वप्निल टेंभे, एस्पायरिंग तालुका समन्वयक गणेश चिंतकुंतलवार और 'उमेद' के राजेजी दुधे ने भी सम्मान स्वीकार किया। इस सफलता में चंद्रपुर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला स्वास्थ्य अधिकारी, अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी और जिला स्तरीय समन्वयक के मार्गदर्शन का विशेष योगदान रहा। विशेष रूप से, जीवती तालुका के स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा दृढ़ संकल्प, लगन और समर्पण के साथ किया गया कार्य उल्लेखनीय रहा।

## श्रम विभाग के कार्यालयों में भगवान विश्वकर्मा जयंती मनाएं

**मुंबई** - श्रम मंत्री एडवोकेट आकाश फुंडकर ने निर्देश दिया है कि राज्य में श्रम विभाग के अंतर्गत आने वाले सभी कार्यालयों में हर साल 17 सितंबर को भगवान विश्वकर्मा की जयंती मनाई जानी चाहिए। तदनुसार, श्रम विभाग के सभी कार्यालयों में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित की जाएगी तथा उस प्रतिमा की पूजा-अर्चना कर जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई जाएगी।

## मुंबई-गोवा राजमार्ग पर गैस टैंकर पलटा, कोई हताहत नहीं

**मुंबई** - मुंबई-गोवा राजमार्ग पर हाटखंबा में गैस टैंकर पलटने की दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ। लोक निर्माण विभाग ने बताया है कि यातायात बहाल कर दिया गया है। राजमार्ग पर रेलिंग पुनर्निर्माण खंड में आज सुबह 9.30 बजे एक गैस टैंकर तेज गति के कारण पलट गया। इस दुर्घटना की खबर मीडिया में आई। यह टैंकर के पास खड़ी एक छोटी सी चाय की दुकान (टपरी) और वहाँ खड़े तीन-चार दोपहिया वाहनों पर पलट गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। वहाँ यातायात फिर से शुरू हो गया है। ठेकेदार कंपनी ने पुलिस अधिकारियों के साथ मिलकर सभी आवश्यक यांत्रिक सहायता प्रदान कर दी है और टैंकर को उठाने का काम जारी है।

## केंद्रीय मानवाधिकार संघटना के विदर्भ सचिव बनी डॉ. किरण मोरे चव्हाण

**सालेकसा** - केंद्रीय मानवाधिकार नई दिल्ली तरफ से कवयित्री, समाजसेविका डॉ. किरण मोरे चव्हाण इनकी नियुक्ती विदर्भ सचिव पद पर की गई है। उनको नियुक्ती पत्र राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मिलिंद दहिवले इन्होने प्रदान किया है। सामाजिक कार्य और मानवाधिकार के जनजागृती के लिये की है। वह विविध सामाजिक कार्य मे उपक्रम चलाते हुये महिलाओ के कलागुण समाज के सामने लाने के लिये लोकमत सखी मंच तालुका संयोजिका के पद पर कार्य करते है। जरूरतमंद को रक्तदान करते है। अपने साहित्य क्षेत्र में प्रेरणादायी संदेश देते हुये प्रबोधनपर लेख, वर्तमानपत्र मे आते रहते है। उनके काव्यसंग्रह प्रकाशित हुये है। इनकी विदर्भ सचिव पद पर नियुक्ती हुई करके सभी आप्तपरिवार, मित्रपरिवार अभिनंदन कर के शुभेच्छा दे रहे है।

## स्वच्छता जागरूकता को बढ़ावा देने प्रतियोगिता का आयोजन

**नागपुर** - मध्य रेल, नागपुर मंडल द्वारा "स्वच्छता ही सेवा" की भावना को प्रोत्साहित करने हेतु अपने स्टेशनों और कार्यालयों में स्वच्छता प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस पहल का उद्देश्य कर्मचारियों एवं यात्रियों को सर्वोत्तम स्वच्छता पद्धतियों को अपनाने के लिए प्रेरित करना था, जिससे सभी रेल उपयोगकर्ताओं के लिए स्वच्छ और सुखद वातावरण सुनिश्चित हो सके। प्रतियोगिता में स्टेशन परिसर, कार्यालय, कर्मचारी कॉलोनी एवं रेलवे अस्पताल जैसी विभिन्न श्रेणियाँ शामिल थीं। मूल्यांकन में कचरा प्रबंधन, स्वच्छता सुविधाएँ, सौंदर्यीकरण, यात्री सुविधाएँ एवं सामुदायिक भागीदारी जैसे मानकों को शामिल किया गया। वरिष्ठ अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बनी निरीक्षण टीमों ने विभिन्न स्थानों का दौरा किया तथा स्टेशन मास्टर, कर्मचारियों एवं यात्रियों से संवाद कर सामूहिक स्वच्छता की जिम्मेदारी के बारे में जागरूकता फैलायी। कार्यक्रम में एकल-उपयोग प्लास्टिक के उपयोग में कमी, कचरे का उचित पृथक्करण और पर्यावरण अनुकूल सामग्री के प्रयोग को भी प्रमुखता दी गई। प्रत्येक श्रेणी के विजेताओं को आगामी स्वच्छता पखवाड़ा समापन समारोह में सम्मानित किया जाएगा। इस पहल ने न केवल उत्कृष्टता को पहचान दी, बल्कि सतत स्वच्छता अभियानों को भी प्रेरित किया, जिससे भारतीय रेल की सुरक्षित, स्वच्छ एवं यात्री-अनुकूल सेवाओं के प्रति प्रतिबद्धता पुनः दृढ़ हुई।

**नागपुर मंडल स्वच्छ रेल** – स्वच्छ भारत के संकल्प को आगे बढ़ाते हुए स्वच्छ और हरित भारत के विजन को साकार करने के लिए निरंतर प्रयासरत है। यह प्रेस विज्ञप्ति मध्य रेल, नागपुर मंडल के जनसंपर्क विभाग द्वारा जारी की गई है।

## सीसीआई ने डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के अधिग्रहण को मंजूरी

**नई दिल्ली** - भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड के अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है। प्रस्तावित संयोजन में दिवाला एवं शोधन अक्षम्यता संहिता, 2016 (आईबीसी) के तहत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) के अनुसार डालमिया सीमेंट (भारत) लिमिटेड (अधिग्रहणकर्ता) द्वारा जयप्रकाश एसोसिएट्स लिमिटेड (जेएएल) का 100% अधिग्रहण शामिल है। अधिग्रहणकर्ता डालमिया भारत लिमिटेड (डीबीएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है, जो डालमिया भारत समूह की अंतिम मूल इकाई है।

## दो दिवसीय राजस्व सम्मेलन का समापन

**नागपुर** - राजस्व विभाग राज्य के आर्थिक विकास की रीढ़ है और गतिशीलता, पारदर्शिता और तत्परता के साथ सेवाएँ प्रदान करने वाले विभाग के रूप में जाना जाता है। वर्तमान में, यह विभाग राज्य के लोगों को सबसे अधिक ऑनलाइन सेवाएँ प्रदान करने वाला विभाग है और अधिक जनोन्मुखी सेवाओं के लिए, राजस्व परिषद में अध्ययन समूहों द्वारा प्रस्तुत सिफारिशें नीतिगत निर्णय लेने के लिए एक दिशानिर्देश के रूप में काम करेंगी, ऐसा विश्वास राजस्व परिषद के समापन पर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने व्यक्त किया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), नागपुर में आयोजित राजस्व सम्मेलन के दूसरे दिन एक संगोष्ठी में बोल रहे थे। इस अवसर पर राज्य के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले, मुख्य सचिव राजेश कुमार, अतिरिक्त मुख्य सचिव (राजस्व) विकास खड़गे, मुख्यमंत्री के सचिव श्रीकर परदेशी, राजस्व आयुक्त, पंजीयन महानिरीक्षक, सभी विभागीय आयुक्त, जिला कलेक्टर और राजस्व विभाग से संबंधित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। समय के साथ राजस्व कार्यप्रणाली से संबंधित नीतिगत बदलाव की आवश्यकता महसूस की गई है और राज्य सरकार तकनीकी कौशल की सहायता से इस विभाग को अधिक कुशल और जन-अनुकूल बनाने का प्रयास कर रही है। इन सभी नीतिगत विषयों पर चर्चा, मंथन और मूल्यांकन हेतु आयोजित राजस्व सम्मेलन मुख्यमंत्री फडणवीस की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस सम्मेलन में विभागीय आयुक्तों की अध्यक्षता वाली समितियों द्वारा विभिन्न रिपोर्ट प्रस्तुत की गईं। उन्होंने राजस्व कार्यों में सुसंगतता और गतिशीलता लाने के लिए आवश्यक विषयों पर मुख्यमंत्री का ध्यान आकर्षित किया। कोई भी नागरिक राजस्व सेवाओं और योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे, इसके लिए समिति ने प्रस्तुतियों के माध्यम से महत्वपूर्ण विषय प्रस्तुत किए, ताकि अधिकाधिक सेवाएँ ऑनलाइन उपलब्ध कराने के साथ-साथ पारदर्शिता लाई जा सके। मुख्यमंत्री फडणवीस ने अधिकारियों को प्रत्येक विषय का गहन अध्ययन करने के निर्देश दिए ताकि इस विषय पर सरकार को प्रस्तुत की जाने वाली रिपोर्ट सटीक और त्रुटिरहित हो।

## 'स्वदेश दर्शन योजना 2.0' में पर्यटन रुझानों को समावेशन

**नई दिल्ली** - पर्यटन मंत्रालय ने देश में चिन्हित विषयगत पर्यटन सर्किटों के अंतर्गत पर्यटन अवसंरचना विकसित करने के उद्देश्य से वर्ष 2014-15 में 'स्वदेश दर्शन योजना (एसडीएस)' आरंभ की थी। इस 'स्वदेश दर्शन 2.0 (एसडी2.0)' योजना को नया रूप दिया गया है जिसका उद्देश्य पर्यटन और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण के साथ स्थायी पर्यटन स्थलों का विकास करना है और इसने 52 परियोजनाओं को मंजूरी दी है। मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन की एक उप-योजना 'चुनौती आधारित गंतव्य विकास (सीबीडीडी)' के अंतर्गत 36 परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। सरकार ने 'पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई)' योजना के अंतर्गत देश में 40 परियोजनाओं को भी मंजूरी दी है। उपर्युक्त योजना के अंतर्गत परियोजनाओं को राज्यों से परियोजना प्रस्ताव प्राप्त होने, उसके मूल्यांकन, धन की उपलब्धता, पारस्परिक प्राथमिकता आदि के आधार पर मंजूरी दी गई।

'स्वदेश दर्शन 2.0' योजना इस बात को मान्यता देती है कि नकारात्मक प्रभावों को न्यूनतम करने और सकारात्मक प्रभावों को अधिकतम करने के लिए, सतत और उत्तरदायी पर्यटन अत्यंत महत्वपूर्ण है। यह पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक-सांस्कृतिक स्थिरता और आर्थिक स्थिरता सहित सतत पर्यटन के सिद्धांतों को अपनाने को प्रोत्साहित करती है। यह योजना पर्यटकों को बेहतर अनुभव प्रदान करने के लिए नए उभरते रुझानों सहित विविध पर्यटन परियोजनाओं के विकास पर केंद्रित है।

स्वदेश दर्शन योजना में उभरते रुझानों को शामिल करने के लिए कोई विशिष्ट अध्ययन नहीं किया गया है। योजना के दिशानिर्देश उन घटकों की एक विस्तृत सूची प्रदान करते हैं जो पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ा सकते हैं, जिनमें पर्यटन के मुख्य उत्पाद, पर्यटन गतिविधियां, प्रदर्शन कला अवसंरचना, स्वच्छता एवं सुरक्षा, संपर्क एवं पार्किंग, सामान्य स्थल विकास, सॉफ्ट इंटरवेंशन आदि शामिल हैं। स्वदेश दर्शन 2.0, सीबीडीडी और एसएएससीआई योजनाओं के अंतर्गत स्वीकृत परियोजनाओं में विभिन्न पर्यटन रुझान और समुद्र तट अनुभव, गुफा अनुभव, साहसिक कार्य, सीमा अनुभव, ध्यान केंद्र, सम्मेलन केंद्र, धार्मिक एवं आध्यात्मिक पहलू, पक्षी अभयारण्य, ऐतिहासिक थीम पार्क, आदिवासी संस्कृति अनुभव, किला, जैव-विविधता और पर्यावरण-मनोरंजन, पनडुब्बी पर्यटन आदि जैसे गहन अनुभव शामिल हैं। मंत्रालय बेहतर कनेक्टिविटी प्रदान करने के लिए अपनी योजनाओं के अंतर्गत सभी के लिए सम्पर्क सुविधा भी प्रदान करता है। मंत्रालय सड़क और हवाई संपर्क सहित कनेक्टिविटी में सुधार के लिए संबंधित मंत्रालयों के साथ समन्वय करता है।

# सभी परियोजनाओं को तीन साल में पूरा करें - मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस

**मुंबई** - बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ शुरू होने के बाद समय पर पूरी होनी चाहिए। इसलिए, बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं को वर्षों तक चलाने के बजाय, उन्हें शुरू होने के तीन साल के भीतर पूरा किया जाना चाहिए, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने विभिन्न बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। मंत्रालय के कैबिनेट हॉल में आयोजित बैठक में मुख्य सचिव राजेश कुमार, मुख्यमंत्री के मुख्य आर्थिक सलाहकार प्रवीण परदेशी, विभिन्न विभागों के अतिरिक्त मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और सचिव उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त, जिला कलेक्टर और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग प्रणाली के माध्यम से उपस्थित थे। तीसरी बैठक में मुख्यमंत्री ने 30 परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की। पिछली दो बैठकों में कुल 33 परियोजनाओं की समीक्षा की गई थी। उस समय लगभग 135 मुद्दों पर चर्चा हुई और निर्णय लिए गए। इस दौरान इन निर्णयों के क्रियान्वयन की जानकारी दी गई।

मेट्रो परियोजना के अंतिम स्टेशन के पास आवासीय परियोजनाएँ बनाई जाएँ मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे पास नवीनतम तकनीक है। इसलिए परियोजनाओं को कम समय में पूरा किया जाना चाहिए। मुंबई सहित राज्य में सभी मेट्रो परियोजनाओं को पूरा करने में आने वाली कठिनाइयों का समय रहते समाधान किया जाना चाहिए। साथ ही, मेट्रो परियोजना के अंतिम स्टेशन के पास आवासीय परियोजनाएँ बनाई जानी चाहिए। मेट्रो परियोजना समय पर पूरी हो, इसके लिए एक कुशल तंत्र बनाना भी आवश्यक है। मुख्यमंत्री ने मेट्रो परियोजना और अन्य सुविधा परियोजनाओं के लिए आवश्यक धनराशि का तुरंत वितरण करने के लिए कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए।

**लिए गए निर्णयों को तुरंत लागू करें** - बुनियादी ढांचा परियोजना को लागू करते समय, सभी को यह सुनिश्चित करने पर ध्यान देना चाहिए कि यह समय पर पूरी हो। प्रत्येक परियोजना की वर्तमान स्थिति प्रत्येक के लिए अलग डैशबोर्ड रखने के बजाय केवल सीएम डैशबोर्ड पर दर्ज की जानी चाहिए। परियोजना से संबंधित सभी मामलों को समय-समय पर इस डैशबोर्ड पर अपडेट किया जाना चाहिए। साथ ही, परियोजना में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए वॉररूम समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णयों का क्रियान्वयन अगली बैठक से पहले पूरा किया जाना चाहिए। ऐसे आवश्यक मामलों के लिए, विषयों को कैबिनेट बैठक में लाया जाना चाहिए और उन विषयों को पूरा किया जाना चाहिए। साथ ही, यदि समीक्षा बैठक में निर्णय के बाद भी कोई समस्या उत्पन्न होती है, तो वॉररूम को सूचित किया जाना चाहिए ताकि उन समस्याओं का तुरंत समाधान किया जा सके। मुख्यमंत्री श्री फडणवीस ने इस अवसर पर निर्देश दिए कि वॉररूम में परियोजनाओं और निर्णयों का गंभीरता से क्रियान्वयन किया जाए। इस अवसर पर, वर्ली स्थित बीडीडी चॉल के निवासियों को शीघ्र ही फ्लैट आवंटित किए जाएँगे। यह भी कहा गया कि नायगांव और एन.एम. जोशी मार्ग चॉल के निवासियों को निर्धारित समय के भीतर फ्लैट देने की कार्रवाई की जाएगी।



CC MM YY KK

## संपादक की कलम से

# परिवहन केंद्रों का विकास

*पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के तहत भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) एक स्वायत्त निकाय है। यह निकाय विश्व बैंक की तकनीकी और वित्तीय सहायता से वाराणसी (उत्तर प्रदेश) से गंगा-भागीरथी-हुगली नदी प्रणाली के हल्दिया खंड तक राष्ट्रीय जलमार्ग -1 (एनडब्ल्यू-1) की क्षमता वृद्धि के लिए 1,390 किलोमीटर की जल मार्ग विकास परियोजना (जेएमवीपी) को लागू कर रहा है। जेएमवीपी के तहत हल्दिया (पश्चिम बंगाल), साहिबगंज (झारखंड) और वाराणसी (उत्तर प्रदेश) में तीन मल्टी मॉडल टर्मिनल, कालूघाट (बिहार) में एक इंटरमॉडल टर्मिनल, फरक्का (पश्चिम बंगाल) में एक नया नेविगेशनल लॉक, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और पश्चिम बंगाल में दो क्विक पोंटून ओपनिंग मैकेनिज्म और 53 सामुदायिक जेटी विकसित किए गए हैं। इस परियोजना के कारण, राष्ट्रीय जलमार्ग-1 पर माल की आवाजाही 2014-15 के 5.05 मिलियन टन से बढ़कर 2024-25 में 16.4 मिलियन टन हो गई है।*

मिलिंद दहिवले
संपादक

# हम प्रांतीय पहचान के साथ अखिल भारतीय पहचान को भी सुरक्षित रखेंगे - राज्यपाल

**नागपुर** - छत्रपति शिवाजी महाराज ने अन्याय के विरुद्ध संघर्ष किया। उन्होंने हिंदवी स्वराज्य के लिए संघर्ष किया। हमें याद रखना चाहिए कि उन्होंने अपने परिवार के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए संघर्ष किया। उन्होंने तिरुवन्नामलाई में मंदिर का जीर्णोद्धार करवाया। चाहे महाराष्ट्रीयन हों, तमिल हों, कन्नड़ हों या अन्य प्रांतीय, हममें से प्रत्येक अपनी प्रांतीय पहचान के साथ-साथ अखिल भारतीय पहचान के लिए अधिक प्रतिबद्ध है, राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने कहा। वे राजभवन नागपुर के दरबार हॉल में तमिल बंधुओं के स्नेह मिलन कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस अवसर पर सेंथिल कुमार, के. जगदीशन, श्रीमती रीमा मोहन, अतुल मोघे मंच पर उपस्थित थे।

नागपुर में विभिन्न तमिल संस्थाओं ने आज भी एकता की भावना को संजोए रखा है। उन्होंने नागपुर महानगर के साथ एकता की भावना को बनाए रखा। उन्होंने सभी पदाधिकारियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि आज का कार्यक्रम इसी एकता का प्रतीक है।

इस अवसर पर राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन ने आर. रामकृष्णन और श्रीमती प्रीति रामकृष्णन द्वारा लिखित पुस्तक "भारतीय ज्ञान परंपरा" का विमोचन किया। आर. रामकृष्णन ने अपने भाषण में प्रसन्नता व्यक्त की कि

हमारे वेदों में छिपे ज्ञान को डिजिटल रूप में संरक्षित किया गया है और मुझे इस पुस्तक के माध्यम से इसे उपलब्ध कराते हुए खुशी हो रही है।

हमने कुछ महीने पहले यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया था कि सभी तमिल संस्थाएँ एक साथ आएँ और देश के लिए एकता स्थापित करें। माननीय राज्यपाल ने इसका स्वागत किया और नागपुर स्थित राजभवन में इस कार्यक्रम को आकार दिया, सेंथिल कुमार ने अपने भाषण में कहा। उन्होंने कहा कि तमिल समुदाय जिस क्षेत्र में गया, वहाँ के विकास के लिए कड़ी मेहनत की और उस क्षेत्र के साथ एकीकृत हो गया। उन्होंने सभी से हमारे देश की विविधता में एकता की पहचान को बनाए रखने की अपील की। तमिल बंधुओं ने विविधता के माध्यम से गहराई प्राप्त करके आज सभी क्षेत्रों में सफलता प्राप्त की है। अतुल मोघे ने अपनी भावना व्यक्त की कि हमें इस कार्यक्रम को इसी एकता और एकीकरण के प्रतीक के रूप में देखना चाहिए। कार्यक्रम की शुरुआत श्रीमती अरुणा विजयकुमार के रचनात्मक गायन से हुई। इसके बाद प्रतिभा नृत्य मंदिर की छात्राओं ने भरतनाट्यम प्रस्तुत किया। बैंक ऑफ इंडिया के सेवानिवृत्त महाप्रबंधक और कांची कामकोठी पीठ के सह-संयोजक जी. चंद्रशेखरन ने कार्यक्रम का परिचय दिया।

इस अवसर पर अतुल मोघे और सेंथिल कुमार ने अपने विचार व्यक्त किए। श्रीमती रमा मोहन ने उपस्थित लोगों का धन्यवाद किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीता के पाठ से हुआ। कार्यक्रम का संचालन अरविंद कुमार ने किया। के.एस.एस. कृष्णन ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

# मुख्यमंत्री सहायता कोष से नासिक संभाग में 32 करोड़ 32 लाख की सहायता

**मुंबई** - मुख्यमंत्री सहायता कोष प्रकोष्ठ राज्य के आर्थिक रूप से कमज़ोर और ज़रूरतमंद मरीज़ों के लिए एक विश्वसनीय सहारा साबित हो रहा है। नासिक विभाग ने अपनी कार्यकुशलता साबित करते हुए पिछले सात महीनों में 3,542 मरीज़ों को 32 करोड़ 32 लाख 5 हज़ार रुपये की पर्याप्त चिकित्सा सहायता प्रदान की है।

मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में, इस कक्ष में कागज़रहित और डिजिटल व्यवस्था लागू की गई है, और ज़िला कक्षों की स्थापना से अब मरीज़ों को मंत्रालय के चक्कर लगाने की ज़रूरत नहीं पड़ती। मुख्यमंत्री सहायता कोष से 20 गंभीर बीमारियों के लिए सहायता प्रदान की जाती है, जिनमें कॉक्लियर इम्प्लांट (2-6 वर्ष की आयु), हृदय, यकृत, गुर्दे, फेफड़े, अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण, कैंसर सर्जरी, दुर्घटना, मस्तिष्क रोग, हृदय रोग, बाल चिकित्सा सर्जरी, नवजात शिशु रोग, साथ ही जलने और बिजली दुर्घटना के शिकार लोग शामिल हैं।

**आवश्यक दस्तावेज** - आधार कार्ड, राशन कार्ड, जियो-टैग्ड फोटो (भर्ती होने पर अनिवार्य), आय प्रमाण (वार्षिक आय 1.60 लाख से कम होनी चाहिए), मेडिकल रिपोर्ट और व्यय प्रमाण पत्र, संबंधित अस्पताल का कंप्यूटर सिस्टम रिकॉर्ड, दुर्घटना की स्थिति में पुलिस डायरी प्रविष्टि और अंग प्रत्यारोपण के मामले में ZTCC पंजीकरण रसीद। सभी दस्तावेज़ पीडीएफ प्रारूप में aao.cmrf-mh@gov.in पर ईमेल करें । अधिक जानकारी के लिए, टोल-फ्री नंबर: 1800 123 2211 पर संपर्क करें।

**नासिक संभाग में सहायता की समीक्षा** - कागज़ रहित व्यवस्था, डिजिटल तकनीक और ज़िला स्तरीय प्रकोष्ठों की बदौलत ज़रूरतमंद मरीज़ों तक आसानी से पहुँच संभव हो पाई है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के विजन से शुरू किए गए ज़िला प्रकोष्ठों की वजह से मरीज़ों और उनके परिजनों की कई समस्याओं का समाधान आसानी से संभव हो पाया है और अब उनके लिए चिकित्सा सहायता के लिए आवेदन करना और आर्थिक सहायता प्राप्त करना भी आसान हो गया है।

- **रामेश्वर नाईक**, प्रकोष्ठ प्रमुख ,
मुख्यमंत्री सहायता कोष एवं धर्मार्थ अस्पताल सहायता प्रकोष्ठ

# जीनत अमान ने शेयर की पुरानी यादें, फैंस से पूछा सवाल

अभिनेत्री जीनत अमान ने अपनी मॉडलिंग के दिनों की कुछ पुरानी यादें ताजा कीं। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर उन्होंने खुद को 'खराब रिकॉर्ड रखने वाली' बताया, क्योंकि उनके 50 साल के करियर की तस्वीरें, लेटर, स्लाइड्स और नोट्स समय के साथ खो गए हैं। जीनत ने इंस्टाग्राम पर अपनी मॉडलिंग के दिनों की कुछ तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें वे फ्लाइट, ज्वेलरी ब्रांड, साबुन और कपड़ों के विज्ञापनों में नजर आ रही हैं।

उन्होंने लिखा कि उन्हें ऑनलाइन अपनी पुरानी तस्वीरें देखना बहुत पसंद है, क्योंकि ये तस्वीरें पुरानी यादें ताजा करती हैं। उनके मॉडलिंग का करियर छोटा लेकिन, शानदार रहा, जिसने उन्हें आत्मविश्वास, शालीनता और कुछ पॉकेट मनी भी दी। अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, दुख की बात है, लेकिन मैं ठीक से संग्रह की हुई चीजों को रख नहीं सकी और वह समय के साथ खत्म हो गईं। पिछले कुछ सालों में मेरी ऐसी यादों से भरी चीजें खो गईं। मेरे 50 साल के करियर की तस्वीरें, पत्र, स्लाइड और नोट्स सभी समय बीतने के साथ खो गए हैं।

जीनत ने बताया कि ऑनलाइन अपनी तस्वीरों को देखना उन्हें बहुत पसंद है। उन्होंने लिखा,हर तस्वीर मुझे यादों के गलियारे में ले जाती है। मेरा मॉडलिंग करियर छोटा लेकिन शानदार रहा और मुझे इससे काफी कुछ मिला। उन्होंने यह भी कहा कि पुराने प्रिंट विज्ञापनों में एक खास आकर्षण है, जो वीडियो विज्ञापनों में नहीं मिलता। आगे बताया, ये पुराने विज्ञापन मेरे पसंदीदा में से हैं। वे आज पुराने हो चुके होंगे, लेकिन मुझे लगता है कि प्रिंट विज्ञापनों में एक आकर्षण है, जिसे वीडियो कभी नहीं दोहरा सकता।

अभिनेत्री ने अपने शूट किए गए विज्ञापनों के बारे में बताया, एयर इंडिया के लिए दिया विज्ञापन मुझे बहुत पसंद है, लेकिन मुझे लगता है कि आज के समय में शायद कुछ वजहों से इसकी आलोचना की जाएगी। ज्वेलरी ब्रांड के लिए एक विज्ञापन के दौरान शोभा डे से ऑस्ट्रेलिया में मुलाकात हुई और मजाक-मजाक में यह तस्वीर ली। अगली लक्स साबुन के एड वाली तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने पूछा, "मेरा लक्स के साथ एक लंबा जुड़ाव था। आपकी पसंदीदा कौन सी तस्वीर है?

# फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' का फर्स्ट पोस्टर जारी

अभिनेता विक्रांत मैसी और शनाया कपूर स्टारर अपकमिंग रोमांटिक फिल्म 'आंखों की गुस्ताखियां' सिनेमाघरों में रिलीज के लिए तैयार है। इस बीच निर्माताओं ने फिल्म का नया पोस्टर जारी कर दिया है, जिसमें विक्रांत और शनाया की केमिस्ट्री शानदार नजर आई। 'आंखों की गुस्ताखियां' म्यूजिकल प्रेम कहानी है, जो भावनाओं और प्यार के जादू को दिखाती है। शनाया कपूर इस फिल्म के जरिए बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। दोनों की जोड़ी को दर्शकों का खूब प्यार मिल रहा है। पोस्टर में उनकी केमिस्ट्री को प्रशंसकों ने शानदार और प्यारा बताया। जी स्टूडियोज ने पोस्टर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, दो दिल, एक प्यार और अनगिनत गुस्ताखियां। आंखों की गुस्ताखियां का टीजर गुरुवार को रिलीज होगा और 11 जुलाई को अपने नजदीकी सिनेमाघरों में प्यार का एहसास करने के लिए जरूर जाएं। हाल ही में प्रोड्यूसर मानसी बागला ने 'आंखों की गुस्ताखियां' में शनाया कपूर को लॉन्च करने के अपने फैसले के बारे में खुलकर बात की थी। बागला ने खुलासा किया कि वह एक ऐसी नायिका चाहती थीं। जिसमें अल्हड़पन और अनिश्चितता हो, ऐसे गुण जो केवल एक नया चेहरा ही ला सकता था। स्क्रिप्ट लिखते समय उन्हें लगा कि शनाया की स्वाभाविक प्रतिभा और उसके चेहरे के भाव किरदार की मांगों के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं।

# विवादों ने मुझे जिंदगी में कई सबक दिए: एल्विश यादव

यूट्यूबर और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर एल्विश यादव अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। उन्होंने आईएएनएस से कई मुद्दों पर खुलकर बात की। एल्विश ने बताया कि विवादों ने उन्हें बताया कि जीवन में किन चीजों से दूर रहना चाहिए या क्या नहीं करना चाहिए। विवादों से उन्हें कई सबक मिले। एल्विश को लेकर विवादों की लिस्ट लंबी रही है। इसमें सांप के जहर के मामले से लेकर साथी यूट्यूबर से मारपीट के आरोपों और एमटीवी रोडीज में साथी गैंग लीडर प्रिंस नरूला के साथ झगड़े समेत अन्य कई विवाद शामिल हैं।

एल्विश कानूनी मुसीबत में भी फंस चुके हैं। एल्विश ने बताया, मैंने जितने भी विवादों का सामना किया है, उनसे मैंने एक बात सीखी है कि अदालत में बहुत समय बर्बाद होता है। तो फिर इसमें क्यों उलझना? यह समय की बर्बादी है।

उन्होंने आगे कहा, आपका किसी के साथ झगड़ा होता है तो हो सकता है कि आपने कुछ गलत कह दिया हो, या गुस्से में आ गए हों और फिर यह बड़ी लड़ाई में बदल जाता है। पुलिस शामिल हो गई और अब दो लोगों के बीच की लड़ाई उनसे आगे चली गई। एल्विश का कहना है कि अदालती मामलों में बहुत समय और ऊर्जा बर्बाद होती है, इसलिए वह ऐसी चीजों से बचते हैं। उन्होंने बताया, अदालती मामलों में समय बर्बाद होता है।

# सिमर कौर ने 'लाल परी' को लेकर खोले राज

जानी-मानी सिंगर सिमर कोर ने फिल्म 'हाउसफुल 5' के गाने 'लाल परी' पर अपने अनुभव साझा किए। सिमर ने बताया कि उन्होंने गाने को खास बनाने के लिए दो अलग-अलग सुरों में गाया, ताकि यह गाना लोगों के दिलों में आसानी से बस जाए। इसके अलावा, उन्होंने हनी सिंह की भी जमकर तारीफ की और कहा कि उनका म्यूजिक उन्हें बहुत प्रेरित करता है। सिमर कोर ने बताया कि जब उन्होंने 'लाल परी' गाना रिकॉर्ड किया, तो हनी सिंह और लिरिसिस्ट अल्फाज ने उन्हें काफी सपोर्ट किया। साथ ही गाने में जोश को बनाए रखा। रिकॉर्डिंग के बारे में बात करते हुए सिमर ने कहा, जो भी 'लाल परी' सुनेगा, वो खुद-ब-खुद उस गाने की धुन में झूमने लगेगा। हमें पहले से ही पता था कि यह गाना बड़ा हिट साबित होगा। रिलीज के समय मैं बहुत उत्साहित थी। उन्होंने आगे कहा, हनी सिंह और अल्फाज दोनों के साथ काम करना एक खास अनुभव रहा। दोनों को मैं बहुत समय से जानती हूं, और उनके साथ रिकॉर्डिंग करना काफी मजेदार पल होता है। उनसे बहुत कुछ सीखने को भी मिलता है। जब भी मैं कोई भी गाना रिकॉर्ड करती हूं, तो पूरी कोशिश करती हूं कि मैं उस गाने के मूड के अनुसार खुद को ढाल लूं।

यह पत्र मालक, मुद्रक, प्रकाशक मिलिंद दहीवले ने एम.पी.ऑफसेट सिरसपेठ चौक, उमरेड़ रोड, नागपुर यहां से मुद्रित कर कार्यालय - फ्लैट नंबर 204, दूसरा माला, साकेत अपार्टमेंट, फूलमती ले-आउट, आरोग्यम क्लीनिक के पास, नागपुर-440027 से प्रकाशित किया. मिलिंद दहीवले, मो.9552011005. email : manvadhikar2012@gmail.com वेबसाईट: www.kendriyamanvadhikar.com

This paper is printed by owner, printer and publisher Milind Dahiwale at MP Offset, Siraspeth Chowk, Umred Road, Nagpur and published from office Flat No. 204, Second Floor, Saket Apartment, Phulmati Layout, Near Arogya Clinic, Nagpur 440027. Milind Dahiwale Mobile No. 9552011005. email : manvadhikar2012@gmail.com वेबसाईट: www.kendriyamanvadhikar.com

केन्द्रीय मानवाधिकार समाचार पत्र में प्रकाशित सभी लेख, छायाचित्र पर संपादक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है। न्यायिक कार्यवाही केवल नागपुर न्यायालय में होगी।

## न्यूज गैलरी

### सागरमाला कार्यक्रम के अंतर्गत परियोजनाएं

**नई दिल्ली** – सागरमाला कार्यक्रम के तहत कार्यान्वयन हेतु 5.79 लाख करोड़ रुपये के निवेश की 839 परियोजनाएं हैं। इन परियोजनाओं का कार्यान्वयन केंद्रीय मंत्रालयों, आईडब्ल्यूएआई, भारतीय रेलवे, राज्य सरकारों और प्रमुख बंदरगाहों आदि द्वारा किया जाता हैं। इनमें से 1.42 लाख करोड़ रुपये की 280 परियोजनाएं पूरी हो चुकी हैं और 1.62 लाख करोड़ रुपये की 209 परियोजनाएं कार्यान्वयनाधीन हैं। इसके अलावा, 2.75 लाख करोड़ रुपये की 350 परियोजनाएं विकास के विभिन्न चरणों में हैं। सागरमाला कार्यक्रम के तहत परियोजनाओं के कार्यान्वयन में विलंब मुख्यतः भूमि अधिग्रहण, वैधानिक मंजूरी, स्थानीय आंदोलन, कार्यक्षेत्र में बदलाव के कारण होता है। अवसंरचना परियोजनाओं का बिना विलंब के पूरा किया जाना सुनिश्चित करने हेतु उठाए गए प्रमुख कदम में, मंत्रालय में विभिन्न स्तरों पर परियोजनाओं की आवधिक समीक्षा, व्यवस्थित परियोजना मूल्यांकन और वित्त पोषण संबंधी दिशा-निर्देश शामिल है। मंत्रालय समय-समय पर समुद्री राज्य विकास परिषद (एमएसडीसी) की बैठकें आयोजित करता है और सागरमाला परियोजनाओं के शीघ्र कार्यान्वयन के लिए विभिन्न हितधारकों के बीच तालमेल बनाने हेतु तटीय राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को राज्य सागरमाला समिति की बैठकें आयोजित करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इसके अलावा, सागरमाला फ्रेमवर्क में, समग्र नीति मार्गदर्शन और उच्च स्तरीय समन्वय के लिए व योजना और परियोजनाओं के नियोजन एवं कार्यान्वयन के पहलुओं की समीक्षा हेतु एक राष्ट्रीय सागरमाला शीर्ष समिति का गठन किया गया है। यह जानकारी पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने राज्यसभा में एक लिखित उत्तर में दी।

### जर्मन एथलीट लॉरा की लैला चोटी पर चढ़ते समय मौत

**पेशावर** – काराकोरम पर्वतमाला की लैला चोटी पर जर्मनी की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बायथलीट लॉरा डाहलमेयर की मौत हो गई है। लैला पर्वत चोटी पर डाहलमेयर गिरती चट्टानों की चपेट में आ गई थीं। जर्मन बायथलॉन चैंपियन लॉरा डाहलमेयर की उत्तरी पाकिस्तान में एक पर्वत चोटी पर चढ़ाई के दौरान हुई दुर्घटना में मृत्यु हो गई है। लॉरा के शव को निकालने के प्रयास जारी हैं, एक स्थानीय सरकारी प्रवक्ता ने इस बारे में जानकारी दी है। ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता डाहलमेयर सोमवार को काराकोरम पर्वतमाला में लैला चोटी पर चढ़ रही थीं, तभी गिरती चट्टानों की चपेट में आ गईं। गिलगित-बाल्टिस्तान की क्षेत्रीय सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फराक ने बताया कि बचावकर्मियों ने डाहलमेयर की पर्वत पर मृत्यु की पुष्टि की है। फराक ने बताया कि बचावकर्मियों द्वारा शव को बरामद करने के बाद उसे स्कार्दू शहर लाया जाएगा। उन्होंने बताया कि सैन्य हेलीकॉप्टर सहायता के लिए तैयार थे, लेकिन खराब मौसम के कारण तैनात उड़ान नहीं भर पाए। डाहलमेयर 2017 के महिला बायथलॉन विश्व कप की विजेता रह चुकी हैं। वह सोमवार को काराकोरम पर्वतमाला की लैला पर्वत चोटी पर चढ़ाई के दौरान गिरती चट्टानों की चपेट में आकर घायल हो गई थीं। स्थानीय अधिकारियों ने डाहलमेयर की साथी पर्वतारोही मरीना इवा से उनके संकट में फंसने का संकेत मिलने के बाद सोमवार को बचाव अभियान शुरू किया था। मरीना मंगलवार को बचावकर्मियों की मदद से आधार शिविर लौटने में सफल रही थीं। जर्मनी में डाहलमेयर की प्रबंधन टीम के अनुसार, डाहलमेयर सोमवार दोपहर लगभग 5,700 मीटर की ऊंचाई पर दुर्घटना का शिकार हो गईं। जर्मन प्रसारक 'जेडडीएफ' ने बताया कि गिरती चट्टानों की चपेट में आने से उन्हें गंभीर चोटें आई थीं।

# कैबिनेट द्वारा राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को आगामी चार वर्षों के लिए 2000 करोड़ की अनुदान सहायता को मंजूर

**नई दिलली** – केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कैबिनेट द्वारा राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को आगामी चार वर्षों के लिए कुल 2000 करोड़ की अनुदान सहायता को मंजूरी दिए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का आभार प्रकट किया। मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' के मंत्र पर चलते हुए राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है इस निर्णय से सहकारी संस्थाओं को नए प्रोजेक्ट शुरू करने, संयंत्रों के विस्तार तथा ऋण देने में सहायता मिलेगी जिससे सहकारिता से जुड़े करोड़ों सदस्य लाभान्वित होंगे, महिलाएँ आत्मनिर्भर बनेंगी और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे।

अमित शाह ने आज कैबिनेट द्वारा राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को आगामी चार वर्षों के लिए कुल 2000 करोड़ की अनुदान सहायता को मंजूरी दिए जाने पर प्रधानमंत्री मोदी जी का आभार प्रकट किया। एक्स प्लेटफॉर्म पर अपनी पोस्ट्स में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री शाह ने कहा कि "मोदी जी के 'सहकार से समृद्धि' के मंत्र पर चलते हुए 'राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम' ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। आज केंद्रीय कैबिनेट ने राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम को आगामी चार वर्षों के लिए 500 करोड़ प्रति वर्ष की दर से कुल 2000 करोड़ की

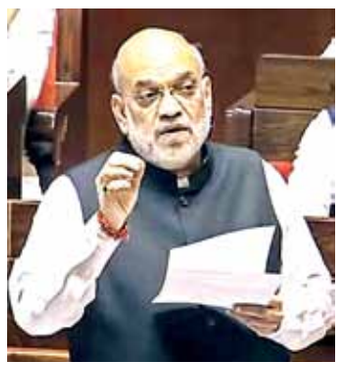

अनुदान सहायता को मंजूरी दी है। इससे सहकारी संस्थाओं को नए प्रोजेक्ट शुरू करने, संयंत्रों के विस्तार तथा ऋण देने में सहायता मिलेगी, जिससे सहकारिता से जुड़े करोड़ों सदस्य लाभान्वित होंगे, महिलाएँ आत्मनिर्भर बनेंगी और युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे। इस कल्याणकारी निर्णय के लिए देश भर के सहकारी क्षेत्र की ओर से मोदी जी का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ।" शाह ने एक अन्य पोस्ट में कहा कि "किसानों का कल्याण मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता रहा है और इसी दिशा में एक और महत्त्वपूर्ण निर्णय लेते हुए केंद्रीय कैबिनेट ने 'प्रधानमंत्री किसान संपदा योजना' के लिए कुल 6,520 करोड़ के व्यय को स्वीकृति दी है, जिसमें 1,920 करोड़ की अतिरिक्त राशि भी शामिल है। इस योजना के तहत 50 मल्टी-प्रोडक्ट फूड आयराडिएशन यूनिट्स और 100 खाद्य परीक्षण प्रयोगशालाएँ स्थापित की जाएँगी, जिससे खाद्य संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा, खाद्य सुरक्षा व गुणवत्ता में सुधार होगा और किसानों को उनके उत्पादों का बेहतर मूल्य प्राप्त होगा।"

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि "मोदी सरकार देशवासियों को हाई-स्पीड रेल नेटवर्क की सुविधा प्रदान कर उनकी यात्रा को अधिक सुखद और सुलभ बनाने के लिए संकल्पबद्ध है। इसी दिशा में केंद्रीय कैबिनेट ने पूर्वी, मध्य और पश्चिमी क्षेत्र के 6 राज्यों के 13 जिलों में 4 मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी दी। 11,169 करोड़ की लागत की इन परियोजनाओं से रेलवे नेटवर्क का और भी 574 किलोमीटर तक विस्तार होगा, जिससे कनेक्टिविटी बेहतर होगी, उद्योग-व्यापार को गति मिलेगी और रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।"

## जेडीसीसी : भारत-यूएई रक्षा उद्योग साझेदारी संगोष्ठी

**नई दिल्ली** – संयुक्त रक्षा सहयोग समिति (जेडीसीसी) की बैठक के दौरान 31 जुलाई 2025 को नई दिल्ली के इंडिया हैबिटेट सेंटर में भारत-यूएई रक्षा उद्योग साझेदारी पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। रक्षा उत्पादन विभाग के तत्वावधान में आयोजित तथा सोसाइटी ऑफ इंडियन डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स (एसआईडीएम) और यूएई के एज ग्रुप द्वारा संयुक्त रूप से समन्वित इस कार्यक्रम में 90 से अधिक भारतीय रक्षा कंपनियों और यूएई की आठ फर्मों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम की सह-अध्यक्षता सचिव (रक्षा उत्पादन) श्री संजीव कुमार और रक्षा अवसर सचिव, यूएई स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इब्राहिम नासिर अल अलावी ने की।

सितंबर 2024 में अबू धाबी में आयोजित पहले भारत-यूएई रक्षा उद्योग साझेदारी फोरम के आधार पर, इस दूसरे संस्करण में मानवरहित प्रणालियों, नौसैनिक प्लेटफार्मों, सटीक युद्ध सामग्री, साइबर डिफेंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अंतरिक्ष-आधारित प्रौद्योगिकियों सहित विभिन्न क्षेत्रों में उद्योगों के बीच सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। श्री संजीव कुमार ने संस्थागत सहयोग के महत्व पर ज़ोर दिया और भविष्य में सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों की पहचान की। लेफ्टिनेंट जनरल अल अलावी ने भी इन्हीं विचारों को दोहराया तथा उन्नत प्रौद्योगिकी साझेदारी के अवसरों के बारे में बात की और भारत के बढ़ते रक्षा उद्योग की ताकत को स्वीकार किया।

संगोष्ठी ने दोनों देशों की भविष्य के लिए तैयार, सशक्त और विश्वसनीय रक्षा साझेदारी बनाने की प्रतिबद्धता की पुष्टि की, जो ट्रांसेक्शनल संबंधी सहयोग से आगे बढ़ेगी। यह कार्यक्रम बिजनेस टू बिजनेस चर्चाओं के साथ संपन्न हुआ, जिसमें रक्षा विनिर्माण, एमआरओ, एयरोस्पेस और उभरती प्रौद्योगिकियों में क्षमताओं के साथ सामंजस्य पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिससे आत्मनिर्भरता और निर्यात-आधारित विकास का मार्ग प्रशस्त हुआ। इस अवसर पर संयुक्त अरब अमीरात में भारत के राजदूत श्री संजय सुधीर; तवाज़ुन काउंसिल के रक्षा एवं सुरक्षा औद्योगिक मामलों के प्रमुख, मतर अली अल रोमाथी; एसआईडीएम के अध्यक्ष श्री राजिंदर सिंह भाटिया और एज ग्रुप के एमडी एवं सीईओ हमाद अल मरार भी उपस्थित थे।

## 'सीड' योजना का लाभ उठाने की अपील

**नागपुर** – केंद्र सरकार ने डीएनटी छात्रों के लिए निःशुल्क कोचिंग योजना 'सीड' (स्कीम फॉर इकोनॉमिक एम्पावरमेंट ऑफ डीएनटीज़) शुरू की है। इस योजना का लाभ उठाने के लिए, डीएनटी, एनटी और एसएनटी छात्रों को 12वीं पास होना आवश्यक है। लाभार्थी के परिवार की वार्षिक आय 8 लाख रुपये के भीतर होनी चाहिए। छात्र राज्य सरकार या केंद्र सरकार की किसी भी कोचिंग योजना का लाभ नहीं ले रहा होना चाहिए। इस योजना में, छात्र को सरकार द्वारा 1 लाख 20 हज़ार रुपये की ट्यूशन फीस दी जाएगी। इस योजना का लाभ लेने के इच्छुक छात्र सहायक निदेशक, अन्य पिछड़ा वर्ग कल्याण, नागपुर कार्यालय से संपर्क करें। पंजीकरण की अंतिम तिथि 3 अगस्त है। अधिक जानकारी के लिए mosje@buddy4study.com या 080-474-95118 पर संपर्क करने की अपील की गई है।

## सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोकाजन को जीवन रक्षक उन्नत एम्बुलेंस वर्चुअल माध्यम से समर्पित

**नई दिल्ली** – केंद्रीय मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बोकाजन को जीवन रक्षक उन्नत एम्बुलेंस वर्चुअल माध्यम से समर्पित की। केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री श्री एच.डी. कुमारस्वामी ने असम के बोकाजन स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) को जीवन रक्षक उन्नत एम्बुलेंस वर्चुअल माध्यम से समर्पित की। रिचर्डसन एंड क्रूडस लिमिटेड द्वारा सीसीआई बोकाजन के सहयोग से कॉर्पोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) पहल के तहत दान दी गई इस एम्बुलेंस से बोकाजन और आसपास के क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में उल्लेखनीय वृद्धि होने की उम्मीद है। इससे गंभीर रूप से बीमार मरीजों को दीफू, जोरहाट और दीमापुर के उन्नत अस्पतालों में पहुँचाया जा सकेगा। प्रधानमंत्री मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए, केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जनवरी 2015 से माननीय प्रधानमंत्री की दूरदर्शी पहल ने इस क्षेत्र के विकास परिदृश्य को बदल दिया है। इस पहल में यह सुनिश्चित किया गया था कि हर 15 दिन में एक केंद्रीय मंत्री पूर्वोत्तर का दौरा करे। कुमारस्वामी ने कहा, "यह पूर्वोत्तर के अद्भुत लोगों के लिए तेज़ गति से विकास, कनेक्टिविटी और समृद्धि के प्रति हमारी सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दर्शाता है जो वास्तव में सर्वश्रेष्ठ के हकदार हैं।"

**बोकाजन सीमेंट प्लांट पुनरुद्धार की राह पर** – कुमारस्वामी ने भारी उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत भारतीय सीमेंट निगम (सीसीआई) की इकाई, सीसीआई बोकाजन सीमेंट प्लांट के संचालन और प्रगति की भी समीक्षा की। 1976 में स्थापित इस प्लांट की वार्षिक क्षमता 1.98 लाख मीट्रिक टन है और यह 43-ग्रेड साधारण पोर्टलैंड सीमेंट (ओपीसी) और पोर्टलैंड पॉज़ोलाना सीमेंट (पीपीसी) का उत्पादन करता है। कई वर्षों तक घाटे में रहने के बाद, बोकाजन यूनिट पिछले तीन वर्षों में लाभ की स्थिति में लौट आई है। मंत्री ने कहा, "पूर्वोत्तर के लोगों के अदम्य साहस की बदौलत, बोकाजन में उल्लेखनीय बदलाव आया है। विस्तार योजनाओं पर सक्रिय विचार के साथ, हमारा लक्ष्य रोज़गार को पाँच गुना बढ़ाना और असम में औद्योगिक गतिविधि को और मज़बूत करना है।" वर्तमान में, सीसीआई बोकाजन लगभग 450 प्रत्यक्ष कर्मचारियों और 1,000 अप्रत्यक्ष श्रमिकों को रोज़गार प्रदान करता है।

**स्थिरता और औद्योगिक विकास पर ध्यान** – 21 सितंबर को सीसीआई बोकाजन के पिछले दौरे के दौरान, श्री कुमारस्वामी ने रॉ मिल्स परियोजना के लिए हॉट एयर डक्ट के चालू होने का उद्घाटन किया और 1 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना की आधारशिला रखी। हॉट एयर डक्ट से प्रतिदिन लगभग 11 टन कोयले की बचत हो रही है, जबकि सौर परियोजना, जिसके शीघ्र ही चालू होने की उम्मीद है, भारत के नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्यों के अनुरूप दक्षता में और सुधार लाएगी और कार्बन उत्सर्जन को कम करेगी। कुमारस्वामी ने संयंत्र के संचालन को बढ़ावा देने, क्षेत्र में और अधिक औद्योगिक विकास की संभावनाओं का पता लगाने और नए उद्योग स्थापित करने के लिए कार्बी आंगलोंग स्वायत्त परिषद (केएएसी) के उपलब्ध संसाधनों का उपयोग करने के लिए मंत्रालय की प्रतिबद्धता दोहराई।

# स्कूली विद्यार्थियों के बीच भारतीय शास्त्रीय नृत्यों को प्रोत्साहन देना जरूरी है

**नई दिल्ली** – भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी)-2020 के उद्देश्यों के अनुरूप, भारतीय पारंपरिक नृत्यों के विभिन्न रूपों को स्कूली शिक्षा ढांचे में एकीकृत करने के लिए कदम उठाए हैं। एनईपी-2020 एक अंतर-पाठ्यक्रम शैक्षणिक दृष्टिकोण के रूप में कला-एकीकृत शिक्षा का समर्थन करती है। यह पारंपरिक नृत्य जैसी भारतीय कलाओं को मुख्यधारा की कक्षा शिक्षा में शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करती है। यह विद्यार्थियों में रचनात्मकता, सांस्कृतिक जड़ता और समग्र विकास को प्रोत्साहन देने के लिए शिक्षा के सभी स्तरों पर भारतीय कलाओं के महत्व पर बल देती है।

संस्कृति मंत्रालय ने इस उद्देश्य से अपने स्वायत्त संगठन संगीत नाटक अकादमी के माध्यम से कला धरोहर श्रृंखला शुरू की है। इसे विशेष रूप से स्कूली विद्यार्थियों के बीच शास्त्रीय नृत्य सहित भारतीय प्रदर्शन कलाओं के प्रति जागरूकता और प्रशंसा को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया गया है। संस्कृति मंत्रालय के अंतर्गत अन्य निकाय, जैसे सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केन्द्र भी इन लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के लिए पूरे देश के स्कूलों में कार्यशालाएं, अभिविन्यास कार्यक्रम और सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित करते हैं, जो भारतीय कला और संस्कृति को प्रोत्साहन देने में योगदान देते हैं। भारत सरकार अपने स्वायत्त निकाय सांस्कृतिक संसाधन एवं प्रशिक्षण केंद्र (सीसीआरटी) के माध्यम से अनेक, विविधतापूर्ण और समृद्ध भारतीय सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और संवर्धन के लिए छात्रवृत्ति प्रदान करती है। सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना, सीटीएसएसएस (10-14 वर्ष) के माध्यम से सीसीआरटी 1982 से विभिन्न सांस्कृतिक क्षेत्रों जैसे संगीत, नृत्य, नाटक के पारंपरिक रूपों के साथ-साथ चित्रकला, मूर्तिकला, शिल्प और साहित्यिक गतिविधियों में विशेष प्रशिक्षण प्रदान करता है। सीसीआरटी सांस्कृतिक प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना (सीटीएसएसएस) का कार्यान्वयन कर रहा है। इस योजना में छात्रवृत्ति की राशि छात्रवृत्ति धारक के लिए 3600 रुपये प्रति वर्ष है। इसके अतिरिक्त गुरु/शिक्षक को भुगतान की गई वास्तविक ट्यूशन फीस की प्रतिपूर्ति भी की जाती है, जिसकी अधिकतम सीमा 9000 रुपये प्रति वर्ष है।

# पूर्व प्रधानमंत्री इमरान की पार्टी के कुछ सांसदों सहित 166 सदस्यों को 10-10 साल की सजा

**लाहौर** – 9 मई, 2023 को हुई हिंसा के मामले में पाकिस्तान की एक अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। यह फैसला खान के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। खास बात यह है कि फैसला पांच अगस्त से प्रस्तावित 'फ्री इमरान खान मूवमेंट' के शुरू होने से पहले आया है।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को बड़ा झटका लगा है। यहां एक अदालत ने बृहस्पतिवार को पंजाब प्रांत में 9 मई, 2023 को आईएसआई भवन और अन्य सैन्य प्रतिष्ठानों पर हुए हमले के सिलसिले में पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी के कुछ सांसदों सहित 166 सदस्यों को 10-10 साल की सजा सुनाई है। खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के नेताओं को सजा सुनाए जाने की खबर देश भर में पांच अगस्त से प्रस्तावित 'फ्री इमरान खान मूवमेंट' के शुरू होने से ठीक एक सप्ताह पहले आई है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ ने फैसलाबाद आतंकवाद निरोधक अदालत (ATC) के

फैसले की कड़ी निंदा की है। खान की पार्टी ने इसे संसद से उसके सांसदों को अयोग्य ठहराने और पार्टी को शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन करने से रोकने की साजिश का हिस्सा बताया है। अदालत ने नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अयूब, सीनेट में विपक्ष के नेता शिबली फराज, पीटीआई के प्रमुख नेता जरताज गुल और साहिबजादा हामिद रजा को 10-10 साल की सजा सुनाई है।

अदालत ने बृहस्पतिवार को फैसलाबाद में आईएसआई भवन पर हमले के मामले में 185 आरोपियों में से 108 को दोषी ठहराया और शेष 77 को बरी कर दिया। फैसलाबाद में एक पुलिस थाने पर हमले से संबंधित मामले में 58 आरोपियों को 10-10 साल की कैद की सजा सुनाई गई है। दोषियों में नेशनल असेंबली के 6 सदस्य, पंजाब विधानसभा का एक सदस्य और एक सांसद शामिल हैं। 9 मई की घटना के मुकदमों में अब तक इमरान खान की पार्टी के 14 सांसदों को दोषी ठहराया गया है और पद से अयोग्य घोषित किया गया है। पार्टी के अंतरिम चेयरमैन गौहर अली ने कहा कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ इस फैसले को लाहौर उच्च न्यायालय में चुनौती देगी।

इस बीच यहां यह भी बता दें कि, हाल ही में इमरान खान ने सेना प्रमुख असीम मुनीर पर निशाना साधा था। खान ने कहा था कि जनरल सेना का अपमान कर रहे हैं और सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय हितों की बलि दे रहे हैं। खान ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा था, ''देश मुनीर के कानून के तहत चल रहा है और आईएसआई (खुफिया एजेंसी) उसे संरक्षण दे रही है। वह सत्ता पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए हर राष्ट्रीय हित की बलि देने को तैयार हैं। मौजूदा सेना प्रमुख सेना का अपमान वैसे ही कर रहे हैं, जैसे याह्या खान ने किया था।''

# बीजिंग में भारी बारिश और बाढ़ ने मचाई तबाही, 44 की मौत, 9 लोग लापता

**बीजिंग** – चीन में भारी बारिश और बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। राजधानी बीजिंग में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। यहां 44 लोगों की मौत हो चुकी है और 9 लोग लापता बताए जा रहे हैं। चीन की राजधानी बीजिंग में बीते एक सप्ताह के दौरान मूसलाधार बारिश के कारण आई बाढ़ से अब तक 44 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 9 लोग लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को इस बारे में जानकारी दी है। बीजिंग में पिछले चार दिन से अधिकारी आपदा राहत और बचाव अभियान संचालित कर रहे हैं, जबकि फिर से भारी बारिश होने से सड़कें क्षतिग्रस्त हो गई है। बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है और बड़े पैमाने पर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' ने स्थानीय अधिकारियों के हवाले से बताया कि बारिश से संबंधित घटनाओं में 44 लोग मारे गए हैं और 9 अन्य लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों के

अनुसार, बीजिंग के उत्तरी पर्वतीय जिलों मियुन और यानकिंग से तूफानी बारिश और बाढ़ की चपेट में आने से लोगों की मौत की खबरें आई हैं। शनिवार को भारी बारिश शुरू हुई थी। इससे पहले, सोमवार को राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने बाढ़ और भूगर्भीय आपदाओं से निपटने तथा लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास करने का आदेश दिया था।

भारी बारिश के कारण आई बाढ़ और भूगर्भीय आपदा से वर्तमान में चीन के कुछ हिस्से प्रभावित हैं। कई आधिकारिक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अकेले बीजिंग में 80,000 से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया है, जबकि तूफानी बारिश से 31 सड़कें क्षतिग्रस्त हुई हैं और 136 गांवों में बिजली आपूर्ति बाधित हुई है। चीन के वित्त मंत्रालय और आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने मंगलवार को बाढ़ से प्रभावित बीजिंग सहित प्रांतीय स्तर के 9 क्षेत्रों के लिए केंद्रीय सरकार के आपदा राहत कोष में 35 करोड़ युआन (4.89 करोड़ अमेरिकी डॉलर) आवंटित किए। समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की रिपोर्ट के अनुसार, मंगलवार को चीन के राष्ट्रीय विकास एवं सुधार आयोग ने कहा कि उसने बीजिंग में आपदा राहत प्रयासों के लिए 20 करोड़ युआन (2.8 करोड़ अमेरिकी डॉलर) आवंटित किए हैं।

## न्यूज गैलरी

### जगन्नाथ शंकर शेठ (नाना) एवं समाज के मेधावी विद्यार्थियों के पुरस्कार समारोह

**नागपुर** - दैवज्ञ सोनार समाज समाजोन्नति संस्था, शाहपुर पंजीकरण संख्या महा/1130/08 ठाणे की ओर से माननीय की 160वीं पुण्य तिथि के अवसर पर जगन्नाथ शंकर शेठ (नाना) एवं समाज के मेधावी विद्यार्थियों के पुरस्कार समारोह के लिए डॉ. रत्नाकर चोरगे-कोंकण विभाग प्रमुख, मानवाधिकार नई दिल्ली संगठन एवं मुख्य लिपिक (लेखा परीक्षक) जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय, ठाणे के साथ-साथ रंजीत भोईर-नगरसेवक शाहपुर नगर पंचायत, वासुदेव नार्वेकर-बोरीवली दैवज्ञ सोनार समाज कार्यकर्ता और सुभाष अंबावने-अध्यक्ष दैवज्ञ सोनार समाज सामाजिक संस्था, शाहपुर आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने श्री सरस्वती माता के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित किया। डॉ. रत्नाकर चोरगे ने उपस्थितजनों और मेधावी विद्यार्थियों को आईटीआई के अंतर्गत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों और योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी, जैसे कि आईटीआई का महत्व, रोजगार के अवसर, तथा माननीय जगन्नाथ शंकर शेठ (नाना) का जीवन चरित्र (उन्होंने गरीबों की शिक्षा के लिए अपने घर में एक स्कूल शुरू किया, रेलवे, मुंबई में विश्वविद्यालय, 1829 में सती प्रथा पर प्रतिबंध लगाने वाला कानून, यह सामान्य समाज के लिए कितना उचित है, और महिला जागरूकता का कार्य आदि)। इसी प्रकार, नगरसेवक भोईर ने दैवज्ञ सोनार समाज, शहापुर के लिए एक सामुदायिक मंदिर को मंजूरी दी और जल्द ही एक सामुदायिक मंदिर बनाने का वादा किया। इसी प्रकार, श्री अंबावने ने अध्यक्षीय भाषण दिया और प्रमुख पाहुने के हाथों मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए।

### रेलवे साईनगर शिर्डी-काकीनाडा पोर्ट एक्सप्रेस को संशोधित संरचना के साथ चलाएगा

**नागपुर** - रेलवे साईनगर शिर्डी-काकीनाडा पोर्ट एक्सप्रेस को संशोधित संरचना के साथ चलाएगा, जिसमें 3 शयनयान (स्लीपर) श्रेणी के डिब्बे शामिल होंगे। रेलवे ट्रेन संख्या 17205/17206 साईनगर शिर्डी-काकीनाडा पोर्ट एक्सप्रेस को संशोधित संरचना के साथ चलाएगा। नई संरचना में 3 शयनयान श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं। विवरण इस प्रकार हैं : 17205/17206 साईनगर शिर्डी-काकीनाडा पोर्ट एक्सप्रेस की संशोधित संरचना। एक प्रथम श्रेणी वातानुकूलित, दो वातानुकूलित -2 टियर, चार वातानुकूलित -3 टियर, दो वातानुकूलित -3 टियर इकोनॉमी, 5 शयनयान श्रेणी, चार सामान्य द्वितीय श्रेणी, एक द्वितीय श्रेणी सीटिंग और सामान सह गार्ड ब्रेक वैन और एक जनरेटर कार। ट्रेन संख्या 17205 साईनगर शिर्डी- काकीनाडा पोर्ट एक्सप्रेस दिनांक 14.10.2025 से साईनगर शिर्डी टर्मिनस से संशोधित संरचना के साथ चलेगी। ट्रेन संख्या 17206 काकीनाडा पोर्ट - साईनगर शिर्डी एक्सप्रेस दिनांक 13.10.2025 से काकीनाडा पोर्ट से संशोधित संरचना के साथ चलेगी। इन ट्रेनों के विस्तृत समय और ठहराव की जानकारी के लिए, कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएँ या NTES ऐप डाउनलोड करें। यात्री कृपया उपरोक्त परिवर्तनों पर ध्यान दें। यह प्रेस विज्ञप्ति जनसंपर्क विभाग, मुख्यालय, मध्य रेल, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, मुंबई द्वारा जारी की गई है।

# जिला वार्षिक योजना के अंतर्गत क्रियान्वित किए जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों के लिए स्थानीय जनप्रतिनिधियों को सुझाव दिए जाएं - बावनकुले

**नागपुर** - जिला वार्षिक योजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों को उपलब्ध कराई गई राशि से विभिन्न योजनाएँ क्रियान्वित की जाती हैं। इससे नवीन योजनाएँ आकार लेती हैं। इन कार्यों से विभिन्न स्थानों पर स्थित अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को अप्रत्यक्ष रूप से स्वरोजगार प्राप्त होता है। जिला वार्षिक योजना में कार्यों का निर्धारण करते समय, राज्य के राजस्व मंत्री एवं पालकमंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने उन क्षेत्रों के विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए जहाँ ये कार्य प्रस्तावित हैं, जनप्रतिनिधियों को सुझाव देने और कार्यों का प्रस्ताव देने के निर्देश दिए। वे जिला योजना भवन में आयोजित एक बैठक में बोल रहे थे। बैठक में नगर आयुक्त डॉ. अभिजीत चौधरी, नागपुर सुधार न्यास के अध्यक्ष संजय मीना, जिला कलेक्टर डॉ. विपिन इटनकर, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनायक महामुनि और वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

उन्होंने अधिकारियों को उचित सावधानी बरतने और जिला वार्षिक योजना के अंतर्गत सरकारी निर्णय के अनुसार उन योजनाओं के लिए धन का व्यय 15 अगस्त तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह सुनिश्चित करने की प्रतिबद्धता जताई कि सरकारी योजनाओं का लाभ सभी आम लोगों तक आसानी से पहुँचे और एक जनोन्मुखी प्रशासन हो। उन्होंने कहा कि सभी के लिए घर एक महत्वाकांक्षी योजना है और जिला प्रशासन, नगर निगम, नागपुर सुधार न्यास, जिला परिषद को समन्वय स्थापित कर भूमि आवंटन अभियान को और गति देने की आवश्यकता है।

सभी की भक्ति का गणेशोत्सव अगले कुछ दिनों में विभिन्न त्योहारों और समारोहों के साथ शुरू हो रहा है। नगर निगम को कृत्रिम तालाब का निर्माण युद्धस्तर पर करना चाहिए ताकि विभिन्न मंडलों को आवश्यक अनुमति और सुरक्षा मिल सके और वे भक्तिभाव से गणपति का विसर्जन कर सकें। उन्होंने इसके लिए नगर निगम के प्रत्येक अंचल के लिए एकल-खिड़की योजना शुरू करने को कहा। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन, जिला परिषद, नगर निगम, जिला पुलिस अधीक्षक, एनएमआरडीए, पुलिस आयुक्त को एक साथ मिलकर इस गणेशोत्सव के लिए और अधिक व्यवस्थित योजना बनानी चाहिए।

## व्यापक नीति के तहत बार्टी के माध्यम से यूपीएससी, एमपीएससी पूर्व-प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण

**नागपुर** - बार्टी, टीआरटीआई, सारथी, महाज्योति और आरती के माध्यम से लाभार्थी समूह के आर्थिक और सामाजिक विकास के लिए विभिन्न परियोजनाएँ और योजनाएँ क्रियान्वित की जाती हैं। इन संस्थाओं के लाभार्थी समूह के युवाओं के लिए विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाएँ और उनके पूर्व-प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इन प्रशिक्षण योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु महाराष्ट्र सरकार द्वारा एक व्यापक नीति तैयार की गई है। इस नीति के अनुसार, उपरोक्त सभी पाँच संस्थाओं के माध्यम से महाराष्ट्र के योग्य और इच्छुक उम्मीदवारों के लिए दिल्ली में यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा पूर्व-प्रशिक्षण, महाराष्ट्र राज्य यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा पूर्व-प्रशिक्षण, महाराष्ट्र राज्य सेवा परीक्षा पूर्व-प्रशिक्षण, महाराष्ट्र इंजीनियरिंग सेवा परीक्षा पूर्व-प्रशिक्षण, महाराष्ट्र न्यायिक सेवा परीक्षा पूर्व-प्रशिक्षण कार्यक्रमों के लिए विज्ञापन प्रकाशित किए गए हैं। बार्टी के माध्यम से, अनुसूचित जाति के छात्रों को सरकारी नौकरी पाने और उनके आर्थिक विकास में मदद करने के लिए यह प्रशिक्षण प्रतिष्ठित निजी व्यावसायिक प्रशिक्षण संस्थानों के माध्यम से प्रदान किया जाएगा। बार्टी के माध्यम से इस प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं। योजना, सरकारी निर्णयों, आवश्यक दस्तावेजों आदि की विस्तृत जानकारी BARTI की आधिकारिक वेबसाइट http://barti.maharashtra.gov.in पर उपलब्ध है। आवेदन केवल वेबसाइट पर दिए गए लिंक के माध्यम से ऑनलाइन स्वीकार किए जाएँगे। इस प्रशिक्षण के लिए पात्र प्रशिक्षुओं का चयन सामान्य प्रवेश परीक्षा (CET) और स्कोरिंग प्रणाली के माध्यम से किया जाएगा।

## तहसील कार्यालय अंतर्गत छत्रपति शिवाजी महाराज महाराजस्व शिविर

**नागपुर** - राजस्व दिवस के अवसर पर 1 से 7 अगस्त 2025 तक राजस्व सप्ताह मनाने के सरकारी निर्देशानुसार, आम नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से तहसील कार्यालय, नागपुर (शहर) के अंतर्गत वर्मा लेआउट अंबाझरी, पन्नालाल नगर, गिट्टीखदान रोड, सुरेंद्रगढ़, भवानी माता मंदिर सभागढ़, पारडी, वाठोडा आदि स्थानों पर छत्रपति शिवाजी महाराजस्व अभियान चलाया गया। विधायक कृष्णाजी खोपड़े ने उक्त शिविर का अवलोकन किया। साथ ही, उप-विभागीय अधिकारी सुरेश बागले, तहसीलदार, नागपुर (शहर) संतोष खांडे, उप तहसीलदार, नागपुर (शहर) श्रीमती अपेक्षा रायच भी उपस्थित थीं। इस पहल का समर्थन अनिल ब्रम्हे, दयाराम कुंभारे, आशितोष रामटेके, श्रीमती वैशाली गोन्नाडे, मंडल अधिकारी और सभी तलाठी ने किया। इस शिविर में आधार कार्ड अपडेट के 97, आय प्रमाण पत्र 78, जाति प्रमाण पत्र 16, मूल निवास -22, गैर-आपराधिक - 4, निवासी -44, संगणियो आवेदन -45, राशन कार्ड -27, मतदाता कार्ड -26, भूमि रिकॉर्ड -15, समाज कल्याण -40, आयुष्मान कार्ड -40, संगणियो डीबीटी -ऑनलाइन -20, ऑफलाइन -30, चिकित्सा लाभार्थी -74 आवेदन प्राप्त हुए।

## महाराष्ट्र राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड पुन: परीक्षा आयोजित करेगा

**मुंबई** - महाराष्ट्र राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड के जुलाई 2025 सत्र के एक वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए जिन विद्यार्थियों ने अपना परिणाम सुरक्षित रखा है और असफल रहे हैं, उन्हें दोबारा परीक्षा देने का अवसर दिया गया है। कौशल, रोजगार, उद्यमिता और नवाचार मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने महाराष्ट्र राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर इस संबंध में निर्देश दिए। महाराष्ट्र राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड के जुलाई 2025 सत्र के 2152 विद्यार्थियों के परिणाम परीक्षा नियमों के उल्लंघन के कारण रोक दिए गए। महाराष्ट्र राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड की जुलाई 2025 सत्र की परीक्षाएं एआई आधारित प्रॉक्टर्ड तकनीक का उपयोग करके MCQ प्रारूप में आयोजित की गईं। 7 जुलाई 2025 को परीक्षा समाप्त होने के बाद, परिणाम 17 जुलाई 2025 को घोषित किए गए। इस सत्र में 36,201 छात्र परीक्षा में शामिल हुए। इनमें से 2152 छात्रों ने परीक्षा नियमों का उल्लंघन किया पाया गया। इस वजह से उनके परिणाम सुरक्षित कर लिए गए। इससे पहले आयोजित अभ्यास परीक्षा में छात्रों को एआई सुरक्षा और प्रॉक्टर्ड सिस्टम की पूरी जानकारी दी गई थी। हालांकि, इसके बावजूद, यह पाया गया कि परीक्षा में उल्लंघन हुए थे। बोर्ड के माध्यम से सर्टिफिकेट, डिप्लोमा और एडवांस डिप्लोमा पाठ्यक्रम लागू किए जाते हैं। इससे छात्रों को उच्च शिक्षा, रोजगार और स्वरोजगार के अवसर मिलते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए कि केवल नियमों के उल्लंघन के कारण छात्रों को नुकसान न हो इसके अनुसार पूरक परीक्षा 23 अगस्त 2025 को आयोजित की जा रही है। आरक्षित वर्ग के रिजल्ट वाले विद्यार्थियों और अनुत्तीर्ण विद्यार्थियों को यह विशेष अवसर दिया जा रहा है। महाराष्ट्र राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड की सैद्धांतिक परीक्षाएँ पारंपरिक प्रारूप में आयोजित की जाती थीं। इन परीक्षाओं के परिणाम आने में लगभग 2 महीने का समय लगता था। छात्रों का समय बचाने के लिए, बोर्ड ने नवीनतम AI प्रॉक्टर्ड तकनीक का उपयोग करके इन परीक्षाओं को MCQ प्रारूप में आयोजित करने का निर्णय लिया था।

## मध्य एवं पश्चिम की रेल परियोजनाओं की बैठक

**मुंबई** - रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने मध्य एवं पश्चिम रेलवे की रेल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। सतीश कुमार, अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी, रेलवे बोर्ड तथा पदेन प्रधान सचिव, भारत सरकार ने सोमवार द्वारा दिनांक 4.8.2025 को मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस स्थित 'चिंतन' सम्मेलन कक्ष में मध्य एवं पश्चिम रेलवे की रेल परियोजनाओं की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। धर्म वीर मीना, महाप्रबंधक, मध्य रेल, विवेक कुमार गुप्ता, महाप्रबंधक, पश्चिम रेलवे, विलास वाडेकर, अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, मुंबई रेलवे विकास निगम, मनोज गर्ग, उपाध्यक्ष, रेल लैंड डेवलपमेंट अथॉरिटी, मध्य एवं पश्चिम रेलवे के अपर महाप्रबंधक, प्रधान विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी, मंडल रेल प्रबंधक (मुंबई मंडल), रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारी और एमआरवीसी के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। सतीश कुमार ने विभिन्न रेल परियोजनाओं से संबंधित मामलों पर चर्चा की। उन्होंने आरएलडीए द्वारा किए जा रहे सीएसएमटी स्टेशन के पुनर्विकास से संबंधित चल रहे कार्यों का भी निरीक्षण किया। रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने शनिवार, दिनांक 2.8.2025 को पश्चिम रेलवे के खार स्टेशन पर एमआरवीसी द्वारा किए जा रहे स्टेशन सुधार कार्य का निरीक्षण किया। रविवार, 3.8.2025 को, सतीश कुमार ने वंदे भारत एक्सप्रेस द्वारा सीएसएमटी से नासिक की यात्रा की और 2027 में नासिक में आयोजित होने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले की तैयारियों के तहत कस्बे सुकेने, खेरवाड़ी, ओढ़ा, महाजेनको, देवलाली और नासिक स्टेशनों का निरीक्षण किया। सतीश कुमार ने नासिक में राज्य सरकार के अधिकारियों के साथ बैठक की और शाम को घाटकोपर स्टेशन का भी दौरा किया। मध्य रेल, पश्चिम रेलवे और मुंबई महानगर क्षेत्र में विकास कार्य कर रही विभिन्न एजेंसियों के साथ आयोजित एक संयुक्त बैठक में, सतीश कुमार ने संरक्षा पर पूर्ण और निरंतर ध्यान केंद्रित करने की बात दोहराई और रिकॉर्ड समय में खड़की और हडपसर स्टेशनों के पुनर्विकास के लिए मध्य रेल द्वारा किए गए प्रयासों की सराहना की।

## दिव्य सेवा संकल्प में खुले हाथों से मदद करें

बुलढाणा अभयारण्य समाचार अशोक काकड़े द्वारा चलाया जा रहा दिव्य सेवा प्रोजेक्ट इस स्थान पर चल रहा है। यहां 30-40 मानसिक रूप से बीमार लोग और कुछ विकलांग मानसिक रूप से बीमार लोग हैं। मानसिक रूप से बीमार लोगों का दैनिक खर्च पांच से छह हजार रुपये है, इसलिए चूंकि इस परियोजना को कोई सरकारी अनुदान नहीं मिलता है, महाराष्ट्र एनजीओ समिति जिला संपर्क प्रमुख निवृत्ति भाऊ जाधव ने सभी से हर तरह से मदद करने की अपील की है। महापौर पप्पू सेठ हरलालका के जन्मदिन के अवसर पर एक छोटा सा खनन कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में चिखली के पूर्व महापौर पप्पू सेठ हरलालका

के साथ-साथ सामाजिक कार्यकर्ता राजेंद्रजी व्यास और सीए खुशालराव गोलानी भी शामिल हुए मानसिक रूप से बीमार लोगों को पचास हज़ार रुपये की सामग्री प्रदान की गई और पेड़े, चिप्स, कुरकुरे आदि खाद्य सामग्री प्रदान की गई। इस अवसर पर इंदिरा नगरी पतसंस्था के सभी पदाधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर दिव्य सेवा संकल्प के अध्यक्ष अशोक काकड़े ने उनका आभार व्यक्त किया और इंदिरा नगरी पतसंस्था के कर्मचारियों ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत की। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

### डॉ. आंबेडकर कॉलेज का हीरक जयंती समारोह

## डॉ. आंबेडकर कॉलेज सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बने - मुख्यमंत्री

**नागपुर** - भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा अपेक्षित शिक्षा और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करके, डॉ. आंबेडकर कॉलेज ने वंचित समुदाय के लिए शिक्षा के द्वार खोले और उनके जीवन में बदलाव लाया। पिछले 60 वर्षों की गौरवशाली परंपरा वाले इस कॉलेज के गुणवत्तापूर्ण विकास की यात्रा को आगे बढ़ाते हुए नई ऊँचाइयों को छूने का विश्वास व्यक्त करते हुए, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने यहाँ उम्मीद जताई कि यह कॉलेज सामाजिक परिवर्तन का माध्यम बने।

मुख्यमंत्री दीक्षाभूमि स्मारक समिति मंचली में डॉ. आंबेडकर कॉलेज के हीरक जयंती समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण गवई कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि दीक्षाभूमि स्मारक समिति के अध्यक्ष भदंत आर्य नागार्जुन सुरई ससाई ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इस अवसर पर सामाजिक न्याय मंत्री संजय शिरसाट, बॉम्बे उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायाधीश चंद्रशेखर, दीक्षाभूमि स्मारक समिति के सदस्य डॉ. कमलताई गवई, सुधीर फुलझेले, राजेंद्र गवई, प्रदीप आगलावे आदि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर के समतापूर्ण राज्य, अधिकारों की समानता और स्वप्न देखने व उसे साकार करने के अधिकार के विचारों तथा बाबासाहेब के धम्म परिवर्तन के महान कार्य की विरासत को इस धरती ने आगे बढ़ाया है और डॉ. आंबेडकर कॉलेज ने इस दोहरी आवश्यकता को सफलतापूर्वक पूरा किया है और वंचितों के लिए शिक्षा के द्वार खोलकर उनके जीवन में बड़ा बदलाव लाया है। इस कॉलेज ने बाबासाहेब द्वारा अपेक्षित शिक्षा और शिक्षा की गुणवत्ता हासिल की है। पद्मश्री दादासाहेब गायकवाड़, पूर्व राज्यपाल दादासाहेब गवई, सदानंद फुलझेले आदि के अथक प्रयासों से, मात्र 5 कक्षाओं, 5 शिक्षकों और 300 छात्रों से शुरू हुआ यह महाविद्यालय हीरक जयंती वर्ष में 6 हज़ार छात्रों, 50 कक्षाओं और 40 प्राध्यापकों की गौरवशाली स्थिति तक पहुँच गया है। उन्होंने यह भी कहा कि महाविद्यालय ने विभिन्न शैक्षणिक मानकों में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और इस महाविद्यालय की विभिन्न शाखाओं में प्रवेश पाने के लिए छात्रों में होड़ मची हुई है।

इस अवसर पर मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने कहा कि भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर ने समाज के पिछड़े वर्गों को आगे बढ़ाने और स्वयं का विकास करने के लिए महान विचार दिए थे और छात्रों को इन विचारों को अपनाकर अपने लक्ष्य प्राप्त करने चाहिए। डॉ. आंबेडकर कॉलेज की स्थापना और विकास में दादासाहेब गायकवाड़, दादासाहेब गवई, दादासाहेब कुंभारे और सदानंद फुलझेले के बहुमूल्य योगदान का स्मरण करते हुए उन्होंने इस कॉलेज की यात्रा की विभिन्न स्मृतियों को याद किया। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों को अपनाना और उनका अनुसरण करना डॉ. आंबेडकर कॉलेज के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले लोगों के प्रति श्रद्धांजलि होगी। उन्होंने यह भी बताया कि जब 1981 में धर्म परिवर्तन की वर्षगांठ पर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की अस्थियाँ मुंबई से नागपुर लाई गईं, तो यहाँ के लोगों ने उनका उत्साहपूर्वक स्वागत किया, जो इस शहर की सभी धर्मों के प्रति सहिष्णुता की पहचान है। उन्होंने धर्म परिवर्तन समारोह की वर्षगांठ के लिए कवि सुरेश भट्ट द्वारा रचित भीम वंदना का पाठ करके अपने भाषण का समापन किया। इससे पहले, मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और भदंत आर्य नागार्जुन सुरई ससाई ने मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई का अभिनंदन किया। विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले डॉ. आंबेडकर कॉलेज के पाँच छात्रों को मुख्यमंत्री श्री. फडणवीस और मुख्य न्यायाधीश भूषण गवई ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया। डॉ. अंबेडकर कॉलेज की प्राचार्य डॉ. दीपा पानेकर ने कार्यक्रम का परिचय दिया और आभार व्यक्त किया, जबकि प्रोफेसर डॉ. विद्या चोरपगर ने कार्यक्रम का संचालन किया।

## मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण गवई ने विश्व विजेता दिव्या देशमुख को बधाई दी

**नागपुर** - दिव्या देशमुख ने हाल ही में जॉर्जिया में आयोजित फिडे महिला शतरंज विश्व चैंपियनशिप में विश्व चैंपियन बनकर इतिहास रच दिया है। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण गवई ने शंकर नगर स्थित दिव्या के आवास पर जाकर उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया। न्यायमूर्ति भूषण गवई ने कहा कि चूँकि देशमुख परिवार और गवई परिवार तीन पीढ़ियों से जुड़े हुए हैं, इसलिए दिव्या की विश्व विजय हमारे लिए पारिवारिक उत्सव का क्षण है। इस अवसर पर दिव्या के पिता डॉ. जितेंद्र देशमुख, माता डॉ. नम्रता देशमुख और अन्य उपस्थित थे। सुश्री दिव्या देशमुख ने प्रतियोगिता में ऐतिहासिक जीत हासिल की है और पहली भारतीय महिला शतरंज विश्व चैंपियन बनी हैं। उनके दादा डॉ. के. जी. देशमुख अमरावती विश्वविद्यालय के पहले कुलपति और महाराष्ट्र लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष थे। दिव्या ने अपने ज्ञान, बुद्धिमत्ता और लगन से पूरे देश का नाम वैश्विक मंच पर रोशन किया है। इस अवसर पर न्यायमूर्ति भूषण गवई ने अपनी बधाई व्यक्त की।

अब केन्द्रीय मानवाधिकार राष्ट्रीय हिंदी समाचार पत्र इंटरनेट पर भी उपलब्ध..... website : www.manvadhikar.com